

ASHA ARCHIVES 3619

परमेश्वर

आदि अंग न वादि

१ अं न मा श्री च रु म वाय ॥ ॥ यं वा लि वि क वि धि मा ह ॥ न वा स
नि वा य गु न म उ ल य च रु म वा य मि क न य ॥ य च रु मा नि आ दि
यू का थ मि वि न ठा अ द अ यू जा या य म ह नि रु य मा दि वि य म ठ
न थि ल वि स र्ज न ॥ न य यू का थ य ॥ न व व नि थ य मि स मा धि ॥
क ल स य मा द अ यू जा ॥ थ न सि र व य नि न स्य स्य ह य स्व स नि स

गु न म उ न द न क म न य मा व क स मा थु न वि स र्ज य च रु म वा
वि य नि र्वा ण न थ य व रु मा वां मा य म रु रं मा य ॥ ॥ थ न गु न
या न न न स अ य या य ॥ स व स न द ह स र्वा सा द न स्य ह य क वा क
उं ह्रीं य व न स स्का ना य म रु गु न न न क म ना य अ य य नि रु स्वा हा ॥
थ न गु न या या नि स र्द ४ य न व न हा स्य स्वा न वि य ॥ वा क ऊ ऊ मा

नमोऽथ यदगि अद्याऽस्मिन् वारि त्रास्मिन् सिद्धि रव नु सा निश्च क न ॥
धनसिद्धयनिधजिकथनरस्यमलेमधुलवायकः नलेमधुलमय २
अपहात्रय जादकिनाय यधन हातामुत्रयात नलेमधुनदाहत्रय
वदुत्रलेयादिः धनसिद्धयाथकात्रिमधुनधिप्रकस्वानरन धनसि
द्धयनिधिकास्यहाथकात्रयं धान ॥ अथ स्वनावावाधिवश नवका

अथ स्वनावावधानां महिकमुजगलीद्यायवजिनिगुधकत्राय
थादरुसुथाददधुन स्वाहा ॥ हनाथवर्धयनि सु अरिखकवि
नअर्थजियनि सुविस्य रुन्यगुनाकत्रुथागरं ससात्रउथात्र
सागः थयना अरिखकवि अ अर्थजियनि सुविस्य विष्का रु
न ॥ ॥ धनमागान कलसः मालसद्विकर्त ॥ रावना ॥

[illegible]

子

नादिविद्वांसहिर्नश्चरन्ध्रजयताकासुवंदिनगीगननैयथ
 ककुमादिवृष्टिहिरिकचकिञ्चनयावज्जगत्वाधिविल्लामनयेध
 भिरकनलेशुमिष्यपमानितकमहिरिचमानयागिणीनिय
 मानेमगत्रगिर्न॥ ॥ धननिश्चननिर्मानाहागिनरुममि
 खानयिसंगमथाथ॥ ॥ यत्तमगलमकनसहृददिष्टिर्नस्यस

॥ यमनिश्चयनिर्वाणहामिगुरुममि
॥ यत्तमगलसकनसहृददिहि नम्यस

॥ अतिथि मस्तु वज्रं वा कुक नमस्तु रुद्र मि
 सर्ववधनां त्रिगुणाग्रय संवत् ॐ आ हं ॥ वज्रं दकारि विष्णु
 हं स नमस्तु मस्तु ॥ ॥ हं नाथ थ अतिथि क वज्रं उ उ थ ॐ
 स्वर्ग मध्या याम न नमस्तु न या ह न या उ विः थ अतिथि
 स्वर्ग मध्या याम न नमस्तु न या ह न या उ विः थ अतिथि

ॐ

नथा गगन्या गज अतिथि क विनः अथं जिमि गज द्वाया यया सु
 विस्य विष्कारु न ॥ ॥ पञ्च यज्ञा न यज्ञा नौ यं वृत्तं तद उद
 कारि विष्कारु अथ यज्ञा ॥ ॥ वा विव उ न वधनां उ थ द न
 महामस्तु ॥ हं नाथ हं नु न वा विव उ न वधनां उ थ द न
 ममा यि गाने नाथ यस्व वे जा द द हि मे ॥ ॥ जि यानि

कौयाचकं या गः यवज्ज आदियं विनज्ज थं डिमि न विस्प विः
काह न डि य नि सु म क टा रि ष क वि डी ॥ रा व ना ॥ नि ष आ न
क स र्प च त्र यि न स्त न स त्वा न ॥ की रु स्त न ४ स्त न थ ग ग द वि रि ४
क रं न रि वि ष मा न त्र य त्र जा दि नि त्र य नि य मा नं म क्क ल गि नी कं रा व त्
व जा धि य ना म न ष य व रं ४ क न क व सु दि द्य नि रं त्र ले स म्भ व त्

ऊं ग ल स म्भ न स्त न स त्च त्र यं प च्च ग थ ग नं म ध्व स्ति ग सि ष च क व
रि नं म ध्व ला म क ट न स्य सि त्र मा म ध्व च त्र गं या ष्व द्द द य म् दि
प ष्च च य थ क र्म ॥ ॥ थ न म क ट न या य क ॥ ॐ दं ग स र्व व ज्ञा नं
नं धा उ न म स्त न ॥ ॥ थ म क ट रु यि डी ग थी डः स म्भ र थ ग ग नं
नि रु व नं स र्ग म ध्व षा ग न नं न म स्का न या ड ग य ॥ ॥ य ष्मा कं य ऊ न

अथ मकटपत्रकलाहव॥ हसिष्यपनियजायावकयागः **थ मकट**
पयासागेन यककनमजागइलः हिलकंमकट॥ ॥ ॐ वज्र
तं भवनिअतिविष्कं ॥ ॐ सत्वेवज्जतिविष्कं ॥ ॐ तत्वेवज्जि
तिविष्कं ॥ ॐ धर्मवजीअतिविष्कं ॥ ॐ कर्मवजीअतिवि
ष्कं ॥ ॐ सर्ववृषणमनिमहालानमकटप्रतिरुखाहा॥

संभवजननहाय॥ ॐ आ० वज्रमकटतिविष्कं असनसि मह ॥
ॐ वज्रध्वं दुःखहा॥ सर्वलावासमारुत्वीनकोरोडाः कनसीन॥
अमकटगार्थिगुवानसासमसुतासमवाहयुगु निरुतास
अद्वयसवाह॥ ॥ अद्वयलानसंरुर्गं नोदुतामवे ॥
वर्ग॥ ॥ अद्वयलाननउत्यइताः चतवर्कमअतिनासंम

२
॥ **अरिभक्तगारिषिक** ॥ **अरिभक्त** ॥ वाधिवजनवधार्जुन
दगेमहामहनाथहं गुन ॥ वाधिवजनः वधयनिस्तुगथविन
अथं वज्रारिषिकविन ॥ ॥ ममायिना ननाथयः स्ववजाय
ददाहिमहनाथहं गुन ॥ जियनिनकायाचकयागः स्ववजावि
याथं जियनिस्तुविहृन्यः हं गुनहनाथजियनिस्तुहनाविष्य

विष्काहम ॥ ॥ **अरिभक्त** ॥ ननस्तुथयथितिवः नजिषमनि
दीर्घाकावजस्वययनिनममिगारुस्वयं हनमत्वारिषिकरु
त्वावजायामिगारुस्वयिष्य ॥ अरिभक्तं मे ॥ सीवजः ननाथ
नमकनः हनाथहं गुन ॥ ॥ **अरिभक्त** ॥ ॥ वकनअधदस्य
मध्ययानननमस्तुनयाहं नयागुनि ॥ ॥ **अरिभक्त**

१०

मसिबुद्धवजातिषक ध्वज सिद्धकविर्नः रुपनिनथगगन
 राधधिगुवजातिषक ॥ ००० नसर्वविद्यानांगुलवजसुसिद्ध
 धवजउसमनवद्वयातुआरुयकायानः रुपनिनसिद्धसिद्धि १०
 शान ॥ **॥ सियवानगसथियका आविय ॥ संव नषनदाय ॥**
 उवजातिषिवसन नत्व महीसर्वसुखानकवधुष्टाकावकनमं

रत्ना ॥ ॥ हनाथसमन सियद्ध नावर्नधथी गुवजातिषक
 नआकावक उत्पत्तिरुआ ॥ महाकनयदप्राप्यनसुखनचल
 नसी ॥ हनाथनअवदुश्रुद्धनयदमागामजिआसियउनिधधि
 दधकथाहामदुधधिगुवजातिषक ॥ ॥ ज (धवधवाधि
 वज्र धवधानांजुधदकमहामह ॥ हनाथह गुन वाधिवजन

वृद्ध्या गगथा विप्रयष्टा अतिरिक्तकाममायिना ननाथाया स्व
वृद्ध्या ददाहि मय ॥ जियनि सुप्रकाशाय या गगथा वृद्ध्या दिन वि
याथं जियनि सुप्रयष्टा अतिरिक्तकाममायिना ननाथाया ॥ १ ॥
॥ गगथा वनाः सिधेर्वका नर ॥ १ ॥ स्वप्रयष्टा ननाथाया सिधिविराया ॥ १ ॥
॥ ननसत्त्व विमयष्टा ननाथाया सिधिविराया ॥ १ ॥ ~~मंजुवनवन~~

~~दाय ॥~~ ॥ अतिरिक्तकाममायिना ननाथाया स्व
पतिमति विप्रयष्टा मिनिरुवज समयसत्त्वदावज यष्टा अष्टा ॥ गृ
हिना सिमया सनिहिना गगथा ॥ दष्टा विया ॥ ननवनदाय ॥ १ ॥ वृद्ध्या
यष्टा अतिरिक्तकाममायिना ननाथाया सिधिविराया ॥ १ ॥
यष्टा अतिरिक्तकाममायिना ननाथाया सिधिविराया ॥ १ ॥

१२

लयं जिवकं ॥ वृद्धि मन्त्रवद्व्याख्यानं मन्त्र सत्यं म
 न्त्राकारं मन्त्रं ॥ निमग्न मन्त्राकारं नाना रिते ह्यनदया धियः ॥ निम
 यनाय मन्त्राकारं मन्त्राकारं मन्त्राकारं ॥ निमग्न मन्त्राकारं मन्त्राकारं
 जायं धाम्नाम इव ॥ धर्मदयावाधयिगुधर्मादयावदुचर्क ॥ धर्म
 धाम्नाम इव ॥ धर्मदयावाधयिगुधर्मादयावदुचर्क ॥ धर्म
 धाम्नाम इव ॥ धर्मदयावाधयिगुधर्मादयावदुचर्क ॥ धर्म

धाम्नाम ॥ ॐ निमग्न मन्त्राकारं मन्त्राकारं मन्त्राकारं ॥ धर्मदयावाधयिगुधर्मादयावदुचर्क ॥ धर्म
 धाम्नाम इव ॥ धर्मदयावाधयिगुधर्मादयावदुचर्क ॥ धर्म
 धाम्नाम इव ॥ धर्मदयावाधयिगुधर्मादयावदुचर्क ॥ धर्म
 धाम्नाम इव ॥ धर्मदयावाधयिगुधर्मादयावदुचर्क ॥ धर्म

ॐ

कृयागश्रवमयाइत्यानमनुसाधवविकृतावनि॥ ॥क्रिया
यायत्रयायायःमनुयायःहन्यज्ञायःमनुसाधवपथनिरुमि
नअधिकाग्रहवाधकाउगुननसिखयागकनं॥ ॥मनु॥ ॥३
आगज्ञाय॥दक्षासिमयारगवनःअस्मिनमनिहितारुव॥सिध
नधायक॥गुनासिमयारगनमनिमनिहितारुव॥सिधमनु

कन्य॥स्वंदुगाहऊपयानक॥ ॥हसिखयनिथस्वमयवयाइउ
ऊजानाउआनायासायिंदीलंनिसाविधकाठनिआगुयानंकहमइ
धायमइथस्वमयवयानकनसा॥ ॥थवऊत्रसयालंहागना
पिहाउयउआयइ००उ॥उ००॥हयथस्वदुयानंकन्यमनाउ
यासायिःराहयिमयइयिःसिध्याविवासन॥महुथिलकिगन

विंशजन सद्यननय विनय जाह गममचय कायः सा त्रिभस्त्रिक
 समयाचक गमचक ॐ नि ॥ ॥ ॐ नि यश्चालि यक यजा विधि ॐ
 ७४ समाय ॥ ॥ नयाल समननडा नडा प्रक ॐ न गुक न समिध ॐ
 संपूर्ण विनाधन संह के यवुक मिद शंल गुर् ४॥ ० ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ
 पृष्ठ के निशानन सफ वृद्धिन सु ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॥